मास्टर ऑफ आर्ट्स (संस्कृत)

Master of Arts (Sanskrit)

चतुर्थ सेमेस्टर - एम0ए0एस0एल - 606

प्रथम प्रश्न पत्र-काव्यशास्त्र:भाग-02

अनुक्रम

खण्ड -01 काव्यलक्षण प्रयोजन काव्य हेतु

इकाई-01 प्रमुख महाकाव्यों के लक्षणों की व्याख्या

इकाई-02 मम्मट का काव्य प्रयोजन

इकाई-03 काव्य हेतु

खण्ड -02 रस एवं अलंकार

इकाई-01रसोत्पत्तिवाद विभिन्न मत

इकाई-02 रस भेद उदाहरण सहित व्याख्या

इकाई-03 अलंकार लक्षण क्रमिक विकास

इकाई-05 शब्दालंकार भेद सहित वर्णन

इकाई-06 प्रमुख अर्थालंकार- उपमा अनन्वय, उत्प्रेक्षा, रूपक अपह्नुति आदि लक्षणोंदाहरण वर्णन

खण्ड -03 काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा

इकाई-01 ध्वन्यालोक प्रथम उद्योग

इकाई-02 काव्यप्रकाश प्रथम और द्वितीय उल्लास

इकाई-03 वक्रोक्तिजीवितम प्रथम उन्मेष- साहित्य स्वरूप विवेचन पर्यन्त

इकाई-04 साहित्यदर्पण दशम परिच्छेद- उपमा, रूपक, भ्रांतिमान, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, प्रतिप, व्याजोक्ति, तुल्ययोगिता, दीपक, अप्रस्तुतप्रशंसा, विभावना, विशेषोक्ति तद्गुण, अतद्गुण, संकर, संसृष्टि, पर्याय